भास्कर एक्सक्लूसिव • तीन फ्लोर की लाइब्रेरी में प्रिंटेड व डिजिटल किताबें होंगी

आईआईएम में शुरू होगी हाइब्रिड लाइब्रेरी

अब एक साथ 400 स्टूडेंट्स बैठकर कर सकेंगे पढ़ाई

सिटी रिपोर्टर | रांची

आईआईएम रांची के पुंदाग स्थित नए कैंपस में फरवरी तक हाईब्रिड लाइब्रेरी छात्रों के लिए तैयार हो जाएगी। यहां एक साथ 400 स्टूडेंट्स अध्ययन कर सकेंगे। प्रिंटेड के साथ-साथ डिजिटल किताबें भी उपलब्ध रहेंगी। इसके अलावा कई तरह की सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। तीन फ्लोर में शुरू होनेवाली यह हाईब्रीड लाइब्रेरी पूरी तरह से ऑटोमेटेड होगी। यानी छात्र खुद ही किताब इश्यू या रिटर्न कर सकेंगे। इसमें किसी दूसरे व्यक्ति की जरूरत नहीं पड़ेगी। संस्थान के लाइब्रेरियन डॉ. जयंत कुमार त्रिपाठी ने बताया कि आईआईएम रांची में रेडियो फ्रिक्वेंसी आईडेंटिफिकेशन, आरएफआईडी के साथ पूरी तरह से कंप्यूटराइज्ड लाइब्रेरी है, जिसमें छात्र, फैकल्टी, किताबें आदि का डेटा है। इसके साथ ही नई लाइब्रेरी में आरएफआईडी सेल्फ इश्यू-रिटर्न मशीन लगाई जाएगी। इसके माध्यम से छात्र खुद किताब इश्यू व रिटर्न कर सकेंगे। नए छात्रों के अध्ययन के लिए बढ़िया माहौल बनाने का प्रयास किया जाएगा।

तीनों फ्लोर में उपलब्ध रहेंगी अलग-अलग सुविधाएं

ग्राउंड फ्लोर : लाइब्रेरी लाउंज

लाइब्रेरी लाउंज, टेक्निकल प्रोसेस सेक्शन, सर्कुलेशन एंड रिफरेंस डेस्क, डिजिटल लाइब्रेरी सेक्शन आदि होंगे। टेक्निकल प्रोसेस सेक्शन में नई किताबों की एंट्री व अन्य टेक्निकल काम होंगे। डिजिटल लाइब्रेरी सेक्शन में छात्रों को डिजिटल कंटेंट के लिए एक्सेस मुहैया कराए जाएंगे।

फर्स्ट फ्लोर : ऑडियो विजुअल रूम

पहले तल्ले पर ऑडियो-विजुअल रूम होगा, जहां छात्र एजुकेशनल वीडियो देख पाएंगे। स्टडी कैबिन भी होगी, जहां तीन से चार स्टूडेंट्स साथ बैठकर पढ़ाई कर सकेंगे। इसमें मैगजीन, जेनरल सेक्शन में विभिन्न मैगजीन, जरनल का संकलन होगा। इसमें एक रिफरेंस सेक्शन भी होगा, जहां किताब, थेसिस आदि की एक ही कॉपी होगी।

सेकेंड फ्लोर: रिसर्च केबिन

दूसरे तल्ले पर रिसर्च केबिन होगी, जहां एक स्टूडेंट अपनी स्टडी असाइनमेंट से संबंधित काम कर सकेंगे। इसमें एक डिस्कशन रूम भी होगा। बच्चों के लिए चिल्ड्रन सेक्शन भी होगा, जहां फैकल्टी व अन्य स्टाफ के बच्चे पढ़ाई कर सकेंगे। इसके अलावा एक रिलेक्स जोन भी रहेगा।

Dainik Bhaskar_16.10.2022_pg. 05